

पत्रावली आदेश ९३
की पेश हो

10-22

सं
साविक
मटलमत
काय
व रेव
की
प्रक
।
ति
२

14/10/22

उभय पक्ष सुनने पर पीठासीन अधिकारी राजकीय
कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर हैं / पचरिक्त है।
अतः पत्रावली दिनांक 11.11.22 को पेश हो।

रीडर

उपखण्ड अधिकारी माण्डल

11-11-22

पत्रावली पेश हुई, वकील वादी उपास्थित
वकील वादी की पुत्र: लहर सुनी गयी। वकील
वादी का वाद पत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय
पृथक से लिखा जाकर शामिल पत्रावली किया
जाया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दफतर दक्षिण
है।

उपखण्ड अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाड़ा



न्यायालय एवं सब डिविजनल ऑफिसर, माण्डल जिला-भीलवाड़ा

प्रकरण सं. 82 सन् 2012 वाद

अनवान

जादूलाल पुत्र जयकिशन माली

बनाम

रामेश्वर लाल पुत्र बाजूराम महाजन

निवारी माण्डल तहसील माण्डल

पटवारी निवारी माण्डल तहसील माण्डल

वादपत्र बाबत् इन्द्राज दुरुस्ती घोषणा व रथाई निषेधाज्ञा

उपरिथत

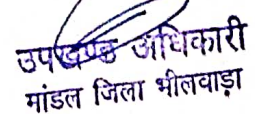
वादी की ओर से-श्यामलाल वेद

प्रतिवादी की ओर से-अनुपरिथत

निर्णय दिनांक 11.11.2022

—: निर्णय :-

संक्षेप में मामला यह है कि वादी की खातेदारी हक की आराजी नं. 2845 रकबा 1.00 बीघा साबिक रेकॉर्ड जमाबंदी संवत् 2024 से 2027 के खाता संख्या 1331 में दर्ज होकर स्थित है जो सेटलमेंट ऑपरेशन के दौरान उक्त आराजी में नवीन परिवर्तित आराजी नं. 4321 रकबा 0.16 बिस्वा कायम हुई है। जबकि नवीन जरीब 165 फीट के अनुसार रकबा 0.17 बिस्वा भूमि नवीन राजस्व रेकॉर्ड व नवीन नक्शा ट्रेस में दर्ज होना चाहिए था इस प्रकार सेटलमेंट ऑपरेशन के दौरान वादी की नवीन आराजी नं. 4327 रकबा 0.16 बिस्वा में 0.01 बिस्वा कम दर्ज करने की त्रुटि हुई है। इस प्रकार यह 0.01 बिस्वा रकबा प्रतिवादी की नवीन आराजी नं. 4326 के रकबा में शामिल कर दिया। प्रतिवादी की नवीन आराजी नं. 4326 के साबिक आराजी नं. 2844 रकबा 0.12 बिस्वा से परिवर्तित नं. कायम हुए। इस तरह सेटलमेंट के दौरान भू-प्रबन्ध कमियों ने प्रतिवादी के नवीन आराजी नं. 4326 रकबा 0.12 बिस्वा साबिक आराजी नं. 2844 के रकबा 0.12 के बराबर ही दर्ज किया है। जबकि 0.01 बिस्वा रकबा नवीन आराजी नं. 4326 के रकबे में 0.12 बिस्वा न होकर 0.11 बिस्वा ही दर्ज करना चाहिए। इस प्रकार नवीन राजस्व रेकॉर्ड में आराजी नं. 4321 के रकबे में 0.01 बिस्वा कम व नवीन आराजी नं. 2844 के रकबे के बराबर दर्ज करके त्रुटि की जो कि दुरुस्त किये जाने योग्य है। इसके दुरुस्तीकरण के बारे में वादी न प्रतिवादी को बार-बार निवेदन किया और आखिरी बार दिनांक 02.02.2011 को प्रतिवादी को कहना भी निरर्थक रहा। इसीलिए वादी को प्रतिवादी के विरुद्ध यह वादपत्र पेश करना आवश्यक हुआ। इस प्रकार वादी को वादपत्र में अनुतोष के मुताबिक नवीन आराजी नं. 4321 रकबा 0.16 बिस्वा में 0.01 बिस्वा रकबा नवीन आराजी नं. 4326 के पश्चिमी दिशा से कम करके वादी की नवीन आराजी नं. 4327 के रकबे में शामिल करके नवीन आराजी नं. 4327 रकबा 0.17 बिस्वा का इन्द्राज दुरुस्त करके वादी खातेदार काश्तकार घोषित किये जाने की डिक्री प्रतिवादी के विरुद्ध पारित की जावे। साथ ही वादपत्र अनुसार रथाई निषेधाज्ञा की डिक्री भी वादी के पक्ष में व प्रतिवादी के विरुद्ध नवीन आराजी नं. 4326 के रकबे में से 0.01 बिस्वा के भूभाग से जो वादी की नवीन आराजी नं. 4327 साबिक रेकॉर्ड अनुसार आराजी नं. 2845 जिस पर वादी के कब्जे काश्त की पूर्वी दिशा से जुड़े हुए भाग से प्रतिवादी वादी को बेदखल नहीं करें।

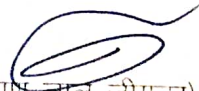

उपपरिथत अधिकारी
माण्डल जिला भीलवाड़ा

दी के वादपत्र को बाद जांच दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादी के सम्मन से जवाबदेही हेतु दिनांक 12.2012 को तलब किया। प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता श्री मुरलीधर जोशी का अधिकार पत्र नांक 10.04.2012 को प्रस्तुत हुआ। लगातार कई अवसर लेने के बावजूद प्रतिवादी के द्वारा कोई जवाबदेही नहीं की जाने से दिनांक 29.11.2019 को प्रतिवादी की ओर जवाबदावा नहीं पेश होने से जवाबदावा बंद किये जाने का आदेश पारित किया गया। ओदश 08 नियम 10 जा.दी. के तहत वर्णित किये जाने का आदेश पारित किया गया। न्यायालय द्वारा इस मामले में दिनांक 30.09.2022 को प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता की बहस सुनी गई। बहस के दौरान वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को हराते हुए साबिक एवं वर्तमान राजस्व रेकॉर्ड जमाबंदियां। साबिक नक्शा एवं हाल नक्शों का अवलोकन करते हुए खसरा मिलान के अनुसार नवीन आराजी नं. 4327 के पुराने नं. 2845 से बनना पाया गया। जो वादी के पिता जयकिशन के नाम पर दर्ज होना पाया गया। इसी तरह नवीन आराजी नं. 4326 पुराने नं. 2844 से बनना पाया गया। परंतु सेटलमेंट के दौरान जो जरीब 165 ट की काम में ली गई। उसके अनुसार वादी की नवीन आराजी नं. 4327 के रकबे में 0.01 बिस्वा में कम दर्ज होना साफ-साफ तौर से प्रमाणित होता है। क्योंकि प्रति बीघा नवीन रकबे में 0.17 बिस्वा दर्ज होना चाहिए। इसी तरह प्रतिवादी की नवीन आराजी नं. 4326 के रकबे में पुराने रकबे के अनुसार ही 0.12 बिस्वा दर्ज करना त्रुटिपूर्ण है। नवीन आराजी नं. 4326 के रकबे 0.12 के सीन 0.12 बिस्वा रकबा ही दर्ज होना चाहिए। इसीलिए वादी का वादपत्र स्वीकार किये जाने योग्य है।

न्यायालय द्वारा अधिपति पत्रावली का अवलोकन करने से वादी की नवीन आराजी नं. 4327 रकबा 0.16 बिस्वा में 0.01 बिस्वा भूमि कम दर्ज होना प्रमाणित है और प्रतिवादी की नवीन आराजी नं. 4326 के रकबे में पुराने रकबे के मुताबिक 0.01 बिस्वा रकबा ज्यादा दर्ज होना भी साफ साबित होता है इसीलिए वादी के नवीन राजस्व रेकॉर्ड की नवीन आराजी नं. 4327 के रकबे में प्रतिवादी की नवीन आराजी नं. 4326 के रकबे में से पश्चिमी भाग से 0.01 बिस्वा भूमि कम करके वादी की नवीन आराजी नं. 4327 के पूर्वी भाग में शामिल करते हुए राजस्व रेकॉर्ड व नक्शा में सुधार किया जाना विधि सम्मत् है। अतः वादी का वादपत्र स्वीकार किया जाना न्यायोचित है।

—:आदेश:—

अतः वादी का वादपत्र स्वीकार किया जाता है। वादी की नवीन आराजी नं. 4327 के पूर्वी भाग में 0.01 बिस्वा भूमि प्रतिवादी की नवीन आराजी नं. 4326 के पश्चिमी भाग से कम करके शामिल किये जाने का आदेश पारित कर वादी को उक्तानुसार खातेदार काशतकार खातेदार काशतकार घोषित किया जाकर प्रतिवादी को रथाई निषेधाज्ञा से प्रतिबंधित किया जाता है कि वह वादी को साबिक रेकॉर्ड अनुसार कब्जे काशत से बेदखल नहीं करे। तदनुसार डिक्री पारित हो। अतः यह निर्णय न्यायालय की मुद्रा एवं हस्ताक्षर से विस्तृत न्यायालय में पढ़कर सुनाया गया।


(नारायण लाल जीगनर)
उपस्थित अधिकारी
गांडल मिस्र लीलवाड़ा


उपस्थित अधिकारी